Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript 20th April 2018 Shift2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2018-04-20 17:41:47
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	206205189
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	206205277
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	206205277
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 2062051839 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	206205190
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	206205278
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	206205278
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 2062051840 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

आजाद हिंद फौज का गठन 1942 में किया गया था। 28-30 मार्च, 1942 को जापान में रह रहे भारतीय रासबिहारी बोस ने आजाद हिंद फौज के गठन पर विचार के लिए एक सम्मेलन बुलाया। कैप्टन मोहन सिंह, रासबिहारी बोस और निरंजन सिंह गिल के सहयोग से 'आजाद हिंद फौज' का गठन किया गया। 'आजाद हिंद फौज' की स्थापना का विचार सर्वप्रथम मोहन सिंह के मन में आया था। इसी बीच विदेशों में रह रहे भारतीयों के लिए 'इंडियन इंडिपेंडेंस लीग' की स्थापना की गई, जिसका पहला सम्मेलन जून 1942 को बैंकाक में हुआ। आजाद हिंद फौज की प्रथम डिवीजन का गठन 1 दिसम्बर, 1942 को मोहन सिंह के अधीन हुआ। इसमें लगभग 16,300 सैनिक थे। कालांतर में जापान ने 60,000 युद्ध बंदियों को आजाद हिंद फौज में शामिल होने के लिए छोड दिया। जापानी सरकार और मोहन सिंह के अधीन भारतीय सैनिकों के बीच आजाद हिंद फौज की भूमिका के संबंध में विवाद उत्पन्न हो जाने के कारण मोहन सिंह एवं निरंजन सिंह गिल को अवरुद्ध कर लिया गया। आजाद हिंद फौज का दूसरा चरण तब शुरू हुआ, जब सुभाषचंद्र बोस सिंगापुर गये। सुभाषचंद्र बोस ने 1941 में बर्लिन में 'इंडियन लीग' की स्थापना की, लेकिन जब जर्मनी ने उन्हें रूस के विरुद्ध प्रयुक्त करने का प्रयास किया, तब कठिनाई उत्पन्न हो गई और बोस ने दक्षिण पूर्व एशिया जाने का निश्चय किया। वहां उन्होंने दिल्ली चलो का प्रसिद्ध नारा दिया। 4 जुलाई, 1943 को सुभाषचंद्र बोस ने 'आजाद हिंद फौज' एवं 'इंडियन लीग' की कमान को संभाला। आजाद हिंद फौज के सिपाही सुभाषचंद्र बोस को नेताजी कहते थे। बोस ने अपने अनुयायियों को 'जय हिंद' का नारा दिया। उन्होंने 21 अक्टूबर, 1943 को सिंगापुर में अस्थायी भारत सरकार 'आजाद हिंद सरकार' की स्थापना की। सुभाषचंद्र बोस इस सरकार के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा सेनाध्यक्ष तीनों थे। वित्त विभाग एस.सी चटर्जी को, प्रचार विभाग एस.ए. अयर को तथा महिला संगठन लक्ष्मी स्वामीनाथन को सौंपा गया। 'कदम कदम बढाए जा, खुशी के गीत गाए जा' इस संगठन का वह गीत था, जिसे गुनगुना कर संगठन के सेनानी जोश और उत्साह से भर उठते थे। जापानी सैनिकों के साथ तथाकथित आजाद हिंद फौज रंगून से होती हुई थलमार्ग से भारत की ओर बढती हुई 18 मार्च, 1944 को कोहिमा और इम्फाल के भारतीय मैदानी क्षेत्रों में पहुंच गई। जर्मनी, जापान तथा उनके समर्थक देशों से 'आजाद हिंद सरकार' को मान्यता प्रदान की गई। पहली बार सुभाषचंद्र बोस ने गांधी जी के लिए राष्ट्रपिता शब्द का प्रयोग किया था। जुलाई, 1944 को सुभाषचंद्र बोस ने रेडियो पर गांधी जी को संबोधित करते हुए कहा 'भारत की मुक्ति के इस पवित्र युद्ध में हम आपका आशीर्वाद और शुभकामनाएं चाहते हैं।' सुभाषचंद्र बोस ने सैनिकों का आह्वान करते हुए कहा तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes